

समाज व साहित्य को समर्पित हैं डॉ. सारस्वत

साहित्यकार समाज व देश के प्रति समर्पित होकर सृजन के माध्यम से देश सेवा करता है, कलाकार अपनी कला के माध्यम से, किन्तु आपको ऐसे बहुत कम इनसान मिलेंगे जो साहित्य तथा साहित्यकारों को समर्पित हों।

साहित्य तथा साहित्यकारों की सेवा वही व्यक्ति कर सकता है जो साहित्य के महत्व, साहित्य की गरिमा व आवश्यकता को भली-भांति समझता

हो; उसके सीने में देश प्रेम की भावना भरी पूरी हो व अपने देश को समर्पित लोगों के प्रति अति आदर की भावना हो। डॉ. लक्ष्मी नारायण सारस्वत ऐसे ही व्यक्ति हैं जिनमें ये सभी गुण विद्यमान हैं। डॉ. सारस्वत अपने समर्पित सेवा भाव से सबसे आदर पा रहे हैं तथा लोगों के लिये

प्रेरणास्रोत बनते जा रहे हैं। ये हालांकि मूल रूप से कवि नहीं हैं किन्तु कविता के माहौल में रहते-रहते इनके अन्दर का कवित्व भी कभी-कभी मुखर हो उठता है। यही कारण है कि ये कभी-कभी कविता लिख देते हैं।

डॉ. सारस्वत गत 6 वर्षों से साहित्य कला संगम, हिसार के अध्यक्ष हैं। वर्ष में इस संस्था का एक बड़ा आयोजन भी होता है। यह आयोजन राज्यकवि उदयभानु हंस के जन्मदिन के मौके पर होता है जिसमें साहित्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्य के दो रचनाकारों

विशेष रूप से कवियों को सम्मानित किया जाता है। डॉ. सारस्वत जी-जान से इस संस्था से जुड़े हुये हैं तथा साहित्य के उत्थान के लिये प्रयासरत हैं।

डॉ. सारस्वत की खास विशेषता है इनकी सहृदयता। अपनी मधुर वाणी व अपनेपन से यह सबको अपना बना लेते हैं। सहयोगी तथा हंसमुख स्वभाव वाले हैं, यही कारण है कि यह तनाव

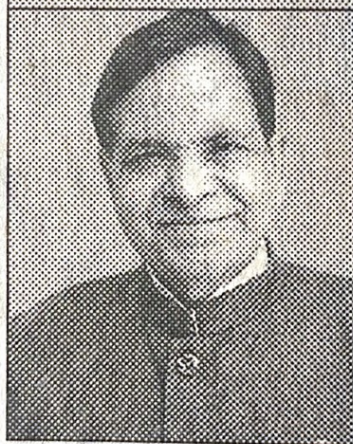
व निराशा से मुक्त हैं। मन में दया भाव के कारण ही ये गरीबों को मुक्त दवा देते हैं। अनेक संस्थाओं से जुड़े हुये डॉ. सारस्वत को उनके सुकर्म, समाज के प्रति समर्पित भाव के कारण ही विभिन्न संस्थाओं/संगठनों ने समय-समय पर पुरस्कृत किया है।

चिकित्सा व्यवसाय

से जुड़े डॉ. सारस्वत साहित्य सेवा के अलावा गरीबों को मुफ्त दवाइयां वितरित करना, भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान परीक्षाओं का आयोजन करवाना, विद्यालयों में जाकर बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाना आदि कार्य करते रहते हैं। 'गायत्री मिशन' के वरिष्ठ कार्यकर्ता के नाते घर-घर जाकर यज्ञ करवाना, नशा मुक्ति हेतु तथा दहेज प्रथा के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित करवाना, पौधारोपण अभियान चलाना इनके स्वभाव का हिस्सा है।

-ओमप्रकाश कादयान

एक चेहरा भीड़ से हटकर



डॉ. लक्ष्मी नारायण सारस्वत